प्रेस विज्ञप्ति

16 सितंबर, 2015

रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने आज प्रेस को निम्नलिखित बयान जारी किया हैः–

राष्ट्र के निर्माताओं– भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी और श्री राजीव गांधी के सम्मान में प्रकाशित डाक टिकट बंद करने का घिनौना निर्णय लेने के बाद सरकार और इसके टेलीकॉम मंत्री अपने सफेद झूठ से देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। श्री रविशंकर प्रसाद के द्वारा दिया गया यह तर्क कि सभी डाकटिकट केवल एक परिवार पर आधारित हैं, एक झूठी अतिश्योक्ति है।

कांग्रेस की पिछली सरकारों और इससे पहले की गैरकांग्रेसी सरकारों ने भी राष्ट्रीय नेताओं और प्रतिमाओं का सम्मान किया है और उनके नाम में डाकटिकट जारी किए हैं।

टेलीकॉम मंत्री कांग्रेस के प्रति अपनी नफरत के कारण यह भूल गए हैं, कि उनकी पार्टी ने राष्ट्रनिर्माण में कोई योगदान नहीं दिया। वे अपनी खुद की वाकपटुता का शिकार हो गए हैं। उन्होंने देश को गुमराह किया है और प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के मंच पर सफेद झूठ बोला है। श्री प्रसाद के द्वारा किए गए झूठे दावों के विपरीत जनता के सामने मौजूद रिकॉर्ड साफ प्रदर्शित करते हैं, कि डाक टिकट कांग्रेस के नेताओं और किसी एक परिवार पर ही आधारित न होकर विभिन्न राजनैतिक दलों और सिद्धांतों के राष्ट्रनिर्माताओं और नेताओं के नाम में जारी किए गए हैं।

कांग्रेस सरकार के द्वारा जारी किए गए कुछ डाकटिकट

1948 – महात्मागांधी पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1956 – बालगंगाधर तिलक पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1961 – मदन मोहन मालवीय पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1961 – मोतीलाल नेहरु पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1964 – नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1964 – आशुतोष मुखर्जी (शिक्षाविद् और श्यामाप्रसाद मुखर्जी के पिता) पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1965 – सरदार वल्लभभाई पटेल पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1966 – मौलाना अबुल कलाम आजाद पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1967 – डॉ. बी. आर. अंबेडकर पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1967 – महाराणा प्रताप पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1967 – गुरु गोबिंद सिंह पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1970 – वीर सावरकर पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1970 – व्लामिदिर इलयिच लेनिन पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1976 – महात्मा गांधी पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1976 – पंडित जवाहरलाल नेहरु पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1979 – जयप्रकाश नारायण पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1985 – सिख नेता बाबा जस्सा सिंह अहलूवालिया पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1985 – एसएडी नेता मास्टर तारा सिंह पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1988 – शेख अब्दुल्ला पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2005 – राज नारायण पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2008 – सत्यजीत रे पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2008 – मदर टेरेसा पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2008 – जेआरडी टाटा पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2008 – होमी जहांगीर भाभा पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2008 – इंदिरा गांधी पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2008 – राजीव गांधी पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2009 – ईवी रामासामी 'पेरियार' पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

2009 – डॉ. सीवी रमन पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

गैर कांग्रेसी सरकारों के द्वारा जारी कुछ डाक टिकट

1977 – राममनोहर लोहिया पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1978 – पेरियार पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1978 – श्यामाप्रसाद मुखर्जी पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1978 – दीन दयाल उपाध्याय पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1990 – ए. के. गोपालन पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1990 – चौधरी चरण सिंह पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1990 – एम. जी. रामचंद्रन पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1990 – बाबू जगजीवन राम पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1990 – कर्पूरी ठाकुर पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1998 – समाजवादी नाथ पाई पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1998 – एन. जी. गोरे पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1998 – मधु लिमये पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1998 – मोरार जी देसाई पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1999 – के बी हेडगेवार पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

1999 – ईएमएस नम्बूदिरीपद पर जारी स्मरणीय डाकटिकट

सरकार में रहते हुए कांग्रेस पार्टी ने ऐसे कई लोगों के नाम में डाक टिकट जारी किए, जो या तो राजनैतिक विरोधी थे या विरोधी सिद्धांत को मानते थे। इनमें जयप्रकाश नारायण, राज नारायण और वीर सावरकर आदि के नाम शामिल हैं।

यद्यपि वाजपेई सरकार ने संघ के संस्थापक केबी हेडगेवार और ईएमएस नम्बूदिरीपद के नाम में डाकटिकट जारी किए, लेकिन बाद की कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार ने उनके सिद्धांतों के बिल्कुल खिलाफ होते हुए भी कभी भी इन डाकटिकटों को बंद नहीं किया।

बुल्गेरिया, यूएसएसआर, लाओस, जर्मनी, श्रीलंका, डिज्बूती, बुरुंडी जैसे देशों ने भी श्रीमति इंदिरा गांधी और श्री राजीव गांधी के नाम में डाकटिकट जारी किए हैं। क्या हताश और बदले की भावना से ग्रस्त प्रधानमंत्री, भाजपा और श्री रविशंकर प्रसाद इन देशों की सरकारों से उनके द्वारा जारी किए गए ये डाकटिकट बंद करने को कहेंगे?

****

श्रीमति इंदिरा गांधी और श्री राजीव गांधी न केवल प्रधानमंत्री थे, बल्कि वो राष्ट्र के निर्माता थे और उन्होंने आज के भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्रीमति इंदिरा गांधी की कुछ बड़ी उपलब्धियां

1. हरित क्रांति – अनाज में भारत को आत्मनिर्भर बनाया
2. दूध क्रांति (श्वेत क्रांति)
3. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
4. 1971 में पाकिस्तान से युद्ध जीता
5. बांग्लादेश का निर्माण कराया
6. भारत को नाभिकीय शक्ति बनाया – पोखरण–1
7. रियासतों के गुप्त खजाने खत्म किए
8. गरीबी से लड़ने के लिए 20–प्वाईंट प्रोग्राम

श्री राजीव गांधी की कुछ बड़ी उपलब्धियां

1. भारत की सीमा में हमेशा के लिए शांति स्थापित करने वाली बड़ी शांति संधियां – पंजाब संधि, असम संधि और मिजो संधि
2. लाईसेंस राज खत्म
3. 18 वर्ष की आयु में लोगों को वोटिंग का अधिकार
4. आईटी क्रांति और कंप्यूटर की शुरुआत
5. संचार क्रांति
6. स्थानीय स्वशासन में 3 टियर व्यवस्था की स्थापना – पंचायती राज पर प्रमुख बल
7. 21 वीं सदी में भारत के प्रवेश को बढ़ावा देना